भारतीय टीम से मुकाबले के लिए तैयार हैं : सैंटनर

आकलैंड

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा है कि उनकी टीम भारत का मुकाबला करने के लिए तैयार है। सैंटनर ने ये बातें भारतीय टीम के आगामी न्यूजीलैंड दौरे को लेकर कही हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से हमने भारत दौर में जीत दर्ज की थी। ठीक उसकी प्रकार से अब भारतीय टीम हमें हराकर हिसाब बराबर करना चाहेगी।

कीवी टीम ने इस साल जनवरी में भारतीय टीम को तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हराया था। इसके अलावा, 2024 में उन्होंने भारत में 3-0 से टेस्ट सीरीज जीतकर इतिहास रचा था, जो भारतीय हालातें में एक बड़ी उपलब्धि है। वहीं अब भारतीय टीम न्यूजीलैंड का दौरा करने वाली है। उनका यह दौरा 22 अक्टूबर को पांच मैचों की टी20 और इतने ही मैचों की एकदिवसीय सीरीज से होगा। ये 15 नवंबर तक चलेगा। इसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में और दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। यह टेस्ट सीरीज मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र के लिए भी अहम है, जहां न्यूजीलैंड अभी तीसरे स्थान पर है और भारत पांचवें स्थान पर है।

सैंटनर ने कहा कि भारत निश्चित रूप से बदला लेने की कोशिश करेगा, लेकिन उन्हें तीनों फार्मेट में एक कड़े मुकाबले की उम्मीद है। इसलिए यह एक शानदार सीरीज होने वाली है। सैंटनर ने आगे कहा कि हर कोई लंबे समय से न्यूजीलैंड में भारत जैसी बड़ी टीम के खिलाफ तीनों फार्मेट खेलने का इंतजार कर रहा था। हर कोई यही तो करना चाहता है। उन्होंने न्यूजीलैंड की टेस्ट परिस्थितियों का भी जिक्र किया, जो भारत से अलग और तेज गेंदबाजों के अनुरुप होती हैं। । सैंटनर ने कहा, सबसे पहले, 10 व्हाइट-बाल मैच होने हैं, जो काफी ज्यादा हैं, लेकिन यह एक अच्छी सीरीज होगी। फिर टेस्ट मैच होंगे और मुझे लगता है कि भारत में खेले गए टेस्ट मैचों की तुलना में यहां हालात थोड़े अलग होंगे। साल के उस समय पिचें थोड़ा अलग व्यवहार कर सकती हैं, हरी पिचें और तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती हैं। उन्होंने भारत की गेंदबाजी आक्रमण और समग्र गुणवत्ता की भी प्रशंसा की। भारत तीनों फार्मेट में एक बहुत अच्छी टीम है; हम यह जानते हैं। उनके पास जबरदस्त ताकत है, खासकर व्हाइट-बाल और फिर रेड-बाल क्रिकेट में। भारत का गेंदबाजी आक्रमण भी काफी अच्छा है।

पडिक्कल बोले टेस्ट टीम में जगह बनाना आसान नहीं, प्रदर्शन में निरंतरता जरुरी

मुम्बई। बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में काफी अच्छा प्रदर्शन किय था पर इसके बाद भी उनका मानना है कि अभी उन्हें काफी कुछ करना है। पडिक्कल के अनुसार भारतीय टेस्ट टीम में जगह पक्की करना आसान नहीं है और इसके लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है क्योंकि आजकल टेस्ट कम होने से अवसर भी काफी कम होते हैं। इसी कारण श्रीलंका दौरे पर लगातार दो शानदार शतक लगाने के बावजूद, पडिक्कल अपने प्रयास जारी रखना चाहते हैं। गौरतलब है कि नियमित नंबर तीन बल्लेबाज साई सुदर्शन के पैर में चोट लगने के कारण पडिक्कल को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में अवसर मिला था। उन्होंने इस अवसर का लाभ उठाते हुए और तीन पारियों में कुल 328 रन बनाकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। पडिक्कल ने कहा, इन दिनों आपको बहुत कम मौके मिलते हैं और टीम में अपनी जगह बनाना आसान नहीं होता। किसी भी चीज को हल्के में नहीं लिया जा सकता। व्यक्तिगत तौर पर मेरा लक्ष्य केवल रन बनाते रहना और भारतीय टेस्ट टीम को जीत दिलाने में योगदान देना है। मुझे पूरा विश्वास है कि जब तक मैं ऐसा करता रहूंगा, मेरी जगह बनी रहेगी। पडिक्कल ने साथ ही कहा, जब तक मैं रन बना रहा हूं, मुझे लगता है कि इससे टीम को हमेशा लाभ ही होगा। जैसा कि हम सभी जानते हैं, टेस्ट क्रिकेट एक आसान प्रारूप नहीं है, इसलिए आपको हर दिन अच्छा प्रदर्शन करते रहना होता है। यह अवसर पडिक्कल को भले ही सुदर्शन की चोट के कारण मिला हो, लेकिन उन्होंने इसे बेहतरीन तरीके से भुनाया। टीम प्रबंधन ने सीरीज शुरू होने से पहले ही उन्हें दोनों टेस्ट मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने की जानकारी दे दी थी।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपनः जेसिका पेगुला ने एम्मा नवारो को हराया, सेमीफाइनल में सबालेंका से होगी भिड़ंत

न्यूयार्क। तीसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने यूएस ओपन 2026 के महिला एकल क्वार्टर

फाइनल में हमवतन एम्मा नवारो को 3-6, 6-4, 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना दो बार की गत चैंपियन आर्यना सबालेंका से होगा। पेगुला ने दो घंटे 20 मिनट चले मुकाबले में शुरुआती सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी की। तीसरे सेट में शुरुआती ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद उन्होंने वापसी की और कड़े बेसलाइन मुकाबले में जीत हासिल की। दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में कुल नौ बार सर्विस ब्रेक हुई। जीत के बाद पेगुला ने आन कोर्ट साक्षात्कार में कहा, यह वास्तव में बहुत कठिन था। मुकाबला शारीरिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण था और मौसम भी उमस भरा था। मैं अपनी सर्विस से बिल्कुल सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रही थी और मुझे कोर्ट पर काफी संघर्ष करना पड़ा। इस जीत के साथ पेगुला का नवारो के खिलाफ रिकार्ड 5-0 हो गया है। पूर्व विश्व नंबर आठ नवारो स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर ध्यान देने के लिए लंबे ब्रेक के बाद वापसी कर रही हैं। उन्होंने मई में स्ट्रासबर्ग में एक साल से अधिक समय बाद अपना पहला खिताब जीता था। पेगुला ने इस साल अब तक दो खिताब जीते हैं और वह उन तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो न्यूयार्क में विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज सबालेंका को पीछे छोड़ने की दौड़ में थीं। हालांकि, शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए 32 वर्षीय पेगुला को अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतना होगा। पेगुला और सबालेंका के बीच यूएस ओपन में यह लगातार तीसरा मुकाबला होगा।

वियतनाम ओपन : तन्वी शर्मा ने रेचल चैन को सीधे गेमों में हराया, अगले दौर में पहुंचीं

हो ची मिन्ह सिटी। शीर्ष वरीय भारतीय खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने वियतनाम ओपन 2026 के महिला एकल के

अंतिम-32 मुकाबले में कनाडा की रेचल चैन को सीधे गेमों में 21-16, 21-17 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली। बीएफडब्ल्यू विश्व टूर सुपर 100 प्रतियोगिता में तन्वी ने 36 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। भारतीय किशोरी ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा और लगातार दो गेम जीतकर अंतिम-16 में प्रवेश किया। तन्वी इस महीने की शुरुआत में चाइना मास्टर्स 2026 में जापान की विश्व नंबर-9 टोमोका मियाजाकी के खिलाफ 66 मिनट चले रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-18, 16-21 से हारकर अंतिम-16 में बाहर हो गई थीं। इससे पहले उन्होंने डेनमार्क की अमाली शुल्ज को 21-16, 21-17 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई थी। पिछले महीने तन्वी ने ताइपे ओपन सुपर 300 में अपना पहला बीएफडब्ल्यू विश्व टूर खिताब जीता था। उन्होंने महिला एकल के फाइनल में वियतनाम की छठी वरीय गुयेन थुई लिन्ह को 21-16, 21-16 से हराया था।

शुभमन और पंड्या की कप्तानी शैली है काफी अलग : नेहरा

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान में गुजरात टाइटंस के कोच आशीष नेहरा ने शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की कप्तानी का अंतर बताया है। नेहरा ने कहा कि दोनों के व्यक्तित्व और नेतृत्व शैली में खास अंतर है। नेहरा के अनुसार हार्दिक जब गुजरात के कप्तान थे तब उन पर पूरी तरह भरोसा करते थे और किसी भी मामले पर पर बेहिचक बात करते थे। दूसरी ओर शुभमन गिल शांत रहते हैं और कम बोलते हैं। नेहरा का यह भी मानना है कि शुभमन अभी कप्तानी के मामले में सीखने के दौर में हैं और अनुभव के साथ उनमें और निखार आएगा। नेहरा ने कहा कि दोनों की कप्तानी में उतना ही अंतर है, जितना उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव में होता है। उन्होंने बताया कि पंड्या उन पर पूरा भरोसा करते थे और हमेशा सीखने के लिए तैयार रहते थे। अगर कोई चीज सही नहीं हो रही होती थी, तो वह सवाल पूछने और उस पर खुलकर चर्चा करने से पीछे नहीं हटते थे। कोच और कप्तान के बीच यह खुला संवाद हार्दिक के नेतृत्व के तरीके का एक अहम हिस्सा था। वहीं शुभमन की कप्तानी शैली के बारे में नेहरा ने कहा कि वह पंड्या की तुलना में ज्यादा शांत और रिजर्व स्वभाव के हैं। उन्होंने साफ किया कि यह कोई कमी नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति का अपना अलग व्यक्तित्व होता है। नेहरा ने बताया कि शुभमन पंड्या की तरह ज्यादा बातचीत नहीं करते, लेकिन जब भी बात करते हैं तो सीधे मुद्दे पर रहते हैं। वह चीजों को ध्यान से देखते हैं और उनसे सीखने की कोशिश करते हैं। नेहरा ने कहा कि शुभमन ने अभी लंबे समय तक कप्तानी नहीं की है और अभी केवल 1 से 2 सत्र से ही यह भूमिका निभा रहे हैं।

बैलन डीओर 2026 : मेसी, एमबापे, यामाल और केन समेत 30 खिलाड़ी नामित

पेरिस

फ्रांस की फुटबाल पत्रिका फ्रांस फुटबाल ने बैलन डीओर 2026 पुरस्कारों के लिए विभिन्न श्रेणियों में नामित खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों की सूची जारी कर दी। पुरुष वर्ग में फ्रांस के किलियन एमबापे, स्पेन के लामिन यामाल, इंग्लैंड के हैरी केन और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी समेत 30 खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया गया है।

पुरुष बैलन डीओर के नामांकन में फीफा विश्व कप विजेता स्पेन और यूईएफए चैंपियंस लीग विजेता पेरिस सेंट-जर्मेन के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। पिछले साल के विजेता उस्मान डेम्बेले को भी लगातार दूसरी बार यह पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा। डेम्बेले ने पेरिस सेंट-जर्मेन के साथ लगातार दूसरा चैंपियंस लीग खिताब जीता है। एमबापे, लामिन यामाल और हैरी केन को प्रमुख दावेदारों में माना जा रहा है। वहीं, लियोनेल मेसी ने विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के दम पर नामांकन हासिल किया है।

■ पुरुष बैलन डीओर 2026 के नामित खिलाड़ी:

जूड बेलिंगहैम (इंग्लैंड/रियल मैड्रिड), पाउ कुबार्सी (स्पेन/बार्सिलोना), मार्क कुकुरेला (स्पेन/रियल मैड्रिड), उस्मान डेम्बेले (फ्रांस/पेरिस सेंट-जर्मेन), लुइस डियाज (कोलंबिया/बायर्न म्यूनिख), ब्रूनो फर्नांडिस (पुर्तगाल/मैनचेस्टर यूनाइटेड), एर्लिंग हालांड (नार्वे/मैनचेस्टर सिटी), गेब्रियल मागाल्हाएस (ब्राजील/आर्सेनल), हैरी केन (इंग्लैंड/बायर्न म्यूनिख), अचरफ हकीमी (मोरक्को/पेरिस सेंट-जर्मेन), लामिन यामाल (स्पेन/बार्सिलोना), ख्विचा क्वारात्सखेलिया

(जार्जिया/पेरिस सेंट-जर्मेन), मार्किन्होस (ब्राजील/पेरिस सेंट-जर्मेन), सादियो माने (सेनेगल/अल-नस्र), लाउतारो मार्टिनेज (अर्जेंटीना/इंटर मिलान), किलियन एमबापे (फ्रांस/रियल मैड्रिड), लियोनेल मेसी (अर्जेंटीना/इंटर मियामी), माइकल ओलिसे (फ्रांस/बायर्न म्यूनिख), जोआओ नेवेस (पुर्तगाल/पेरिस सेंट-जर्मेन), विलियन पाचो (इक्वाडोर/पेरिस सेंट-जर्मेन), जूलियन क्विनोनेस (मैक्सिको/अल-कादसियाह), डेक्लान राइस (इंग्लैंड/आर्सेनल), रोड्री (स्पेन/बार्सिलोना), फैबियन रुइज (स्पेन/पेरिस सेंट-जर्मेन), विलियम सालिबा (फ्रांस/आर्सेनल), दयोट उपामेकानो (फ्रांस/बायर्न म्यूनिख), विटिन्या (पुर्तगाल/पेरिस सेंट-जर्मेन), फेरान टोरेस (स्पेन/पेरिस सेंट-जर्मेन), विनिसियस जूनियर (ब्राजील/रियल मैड्रिड) और नूनो मेंडेस (पुर्तगाल/पेरिस सेंट-जर्मेन)।

■ पुरुष कोच आफ द ईयर के नामित:

मिकेल आर्टेटा (आर्सेनल), लुइस दे ला फुएंते (स्पेन), उनाई एमरी (एस्टन विला), विन्सेंट कोम्पनी (बायर्न म्यूनिख) और लुइस एनरिके (पेरिस सेंट-जर्मेन)।

महिला वर्ग में दो बार की विजेता एलेक्सिया पुतायस, ईवा पायजोर और मेल्ची डुमोर्नाय प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। पिछले तीन वर्षों की विजेता ऐताना बोनमती चोट के कारण अधिकांश सत्र से बाहर रहने की वजह से इस बार नामांकित नहीं की गई हैं।

■ महिला बैलन डीओर 2026 के नामित खिलाड़ी:

सेल्मा बाचा (ओएल ल्योन), बारबरा बांडा (आरलैंडो प्राइड), क्लारा ब्यूल (बायर्न म्यूनिख), एस्मी ब्रुग्ट्स (बार्सिलोना), मारियोना काल्डेंते (आर्सेनल), स्कारलेट कंबेरोस (क्लब अमेरिका), केर्स्टिन कास्पारिज (मैनचेस्टर सिटी), टेम्वा चाविंगा (कैनसस सिटी करंट), काटा कोल (बार्सिलोना), मेल्ची डुमोर्नाय (ओएल ल्योन), कैरोलीन ग्राहम हैनसन (बार्सिलोना), एलेक्स ग्रीनवुड (मैनचेस्टर सिटी), पैट्री गुइजारो (बार्सिलोना), पेर्निले हार्डर (बायर्न म्यूनिख), युई हासेगावा (मैनचेस्टर सिटी), रोज लावेल (गाथम एफसी), मापी लियोन (लंदन सिटी लायनेसिस), लोरेना (कैनसस सिटी करंट), मेलविन मलार्ड (चेल्सी), मनाका मात्सुकुबो (चेल्सी), विवियाने मिएदेमा (मैनचेस्टर सिटी), ईवा पायजोर (बार्सिलोना), क्लाउडिया पिना (बार्सिलोना), एलेक्सिया पुतायस (लंदन सिटी लायनेसिस), वेंडी रेनार्ड (ओएल ल्योन), एलेसिया रूसो (आर्सेनल), खदीजा शा (मैनचेस्टर सिटी), मोमोको तनिकावा (बायर्न म्यूनिख), कैरोलिन वियर (ओएल ल्योन) और टेसा वुलार्ट (कोमो)।

■ महिला कोच आफ द ईयर के नामित:

जोनाथन गिराल्देज (ओएल ल्योन), आंद्रे येगर्ट्ज (मैनचेस्टर सिटी), निल्स नील्सन (जापान), पेरे रोम्यू (बार्सिलोना) और एलेना सादिकु (बीके हेकन)। युवा खिलाड़ियों के लिए पुरुष कोपा ट्राफी के नामांकन में केरिम अलाजबेगोविच, अय्यूब बुआद्दी, पाउ कुबार्सी, यान डियोमांदे, लेनार्ट कार्ल, एली जूनियर क्रुपी, लामिन यामाल, जोहान मांजांबी, इब्राहिम माजा और वारेन जायरे-एमरी शामिल हैं। महिला कोपा ट्राफी के लिए वीरले बुरमान, विक्की लोपेज, फेलिसिया श्रोडर, क्लारा सेर्राजोर्डी और लिली योहानेस को नामांकित किया गया है।

■ याशिन ट्राफी के लिए पुरुष गोलकीपरों के नामित:

यासीन बूनू (अल हिलाल), जोआन गार्सिया (बार्सिलोना), ग्रेगोर कोबेल (बोरूसिया डार्टमुंड), एमिलियानो मार्टिनेज (चेल्सी), एडुआर्ड मेंडी (अल अहली), डेविड राया (आर्सेनल), उनाई सिमोन (एथलेटिक बिलबाओ), वोजिन्हा (कोलो-कोलो), मतवे साफोनोव (पेरिस सेंट-जर्मेन) और थिबो कोर्टुआ (रियल मैड्रिड)।

■ महिला गोलकीपर आफ द ईयर के नामित:

हन्ना हैम्पटन (चेल्सी), लोरेना (कैनसस सिटी करंट), आयाका यामाशिता (मैनचेस्टर सिटी), काटा कोल (बार्सिलोना) और एन-कैटरीन बर्गर (गाथम एफसी)।

■ 2026 पुरुष टीम आफ द ईयर के नामित:

आर्सेनल, बायर्न म्यूनिख, बोदो/ग्लिम्ट, फ्लामेंगो और पेरिस सेंट-जर्मेन।

■ 2026 महिला टीम आफ द ईयर के नामित:

एफसी बार्सिलोना, बायर्न म्यूनिख, क्लब अमेरिका, मैनचेस्टर सिटी और ओलंपिक ल्योन। बैलन डीओर पुरस्कार समारोह 26 अक्टूबर को लंदन में आयोजित किया जाएगा।

महिला एशिया कपः गुल फिरोजा पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना, एक डिमेरिट अंक भी जुड़ा

दुबई

पाकिस्तान को शीर्ष क्रम की बल्लेबाज गुल फिरोजा पर हांगकांग के खिलाफ महिला टी20 एशिया कप मुकाबले के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उनके अनुशासनात्मक रिकार्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है।

यह घटना पाकिस्तान की पारी के पांचवें ओवर में हुई। बाएं हाथ की कलाई की स्पिन गेंदबाज कैरी चान की उछाल लेती गेंद पर फिरोजा ने स्वीप शाट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले से नहीं लगी और स्टंप के सामने उनके पैड से जा टकराई। मैदानी अंपायर ने उन्हें पगबाधा आउट दे दिया। टूर्नामेंट में निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) का इस्तेमाल नहीं हो रहा है, इसलिए फिरोजा को मैदान छोड़ना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनुसार, मैदान से बाहर जाते समय उन्होंने अपने बल्ले की ओर इशारा करते हुए यह जताया कि गेंद बल्ले का किनारा लेकर गई थी। इसे मैदानी अंपायर के फैसले पर असहमति जताना माना गया, जो आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन है। यह पिछले 24 महीनों में फिरोजा का दूसरा अपराध है। इसके साथ इस अवधि में उनके कुल डिमेरिट अंक दो हो गए हैं। महिला एशिया कप में आचार संहिता के उल्लंघन के लिए कार्रवाई का सामना करने वाली वह दूसरी पाकिस्तानी खिलाड़ी हैं। इससे पहले कप्तान फातिमा सना पर भारत के खिलाफ मुकाबले में शैफाली वर्मा को आउट करने के बाद विदाई इशारा करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया था और एक डिमेरिट अंक दिया गया था।

भारत की पारी के दूसरे ओवर में शैफाली ने फातिमा की गेंद पर वापसी कैच दिया था। इसके बाद फातिमा ने जश्न मनाते हुए पवेलियन की ओर इशारा किया था, जिस पर अधिकारियों का ध्यान गया था।

हांगकांग को 72 रन से हराकर पाकिस्तान ने ग्रुप-ए से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम के रूप में जगह बनाई।

खेल प्रतिभाओं और प्रशिक्षकों का सम्मान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल

:एलएनसीटी स्पोर्ट्स अचीवर्स अवॉर्ड समारोह-2026 में खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रशिक्षकों, खेल प्रशासकों, विशेषज्ञों और खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि ओलंपियन एवं अर्जुन अवॉर्डी अशोक ध्यानचंद रहे। कार्यक्रम में एलएनसीटी विद्यापीठ यूनिवर्सिटी की प्रो-चांसलर डॉ. श्वेता चौकसे सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह में क्रिकेट, फेंसिंग, कुश्ती, कैनोइंग, रोइंग, हॉकी, बॉक्सिंग, खो-खो, आर्म रेसलिंग, कराटे, रग्बी सहित विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल कर विश्वविद्यालय और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। वर्ष 2025-26 के मेडलिस्ट खिलाड़ियों को करीब पांच लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और एलुमनी को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

यूएस ओपनः फ्रांसेस टियाफोए ने एलेक्स माइकलसन को हराया, सेमीफाइनल में पहुंचे

न्यूयार्क

फ्रांसेस टियाफोए ने शानदार जुझारूपन का परिचय देते हुए यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली है। 11वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी ने मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में एलेक्स माइकलसन को 5-7, 3-6, 7-5, 6-3, 7-6 (10-6) से हराया।

टियाफोए ने मुकाबले में पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी की। वह निर्णायक पांचवें सेट में भी 0-3 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने लगातार वापसी करते हुए चार घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले को अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद टियाफोए नेट के दूसरी तरफ पहुंचे, जहां 22 वर्षीय माइकलसन अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल के निराशाजनक अंत के बाद रो रहे थे। टियाफोए ने उन्हें गले लगाकर सांत्वना दी।

टियाफोए ने मुकाबले में पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी की। वह निर्णायक पांचवें सेट में भी 0-3 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने लगातार वापसी करते हुए चार घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले को अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद टियाफोए नेट के दूसरी तरफ पहुंचे, जहां 22 वर्षीय माइकलसन अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल के निराशाजनक अंत के बाद रो रहे थे। टियाफोए ने उन्हें गले लगाकर सांत्वना दी।

टियाफोए ने मैच की शुरुआत को लेकर कहा,

यह अच्छा नहीं था, इसे इसी तरह कहना चाहिए। यह बिल्कुल अच्छा नहीं था। पांच में से तीन सेट का प्रारूप एक वरदान है, क्योंकि आपके पास वापसी करने और चीजों को सही करने का समय होता है। मैंने निश्चित रूप से आखिरी समय तक इंतजार किया।

टियाफोए इससे पहले 2022 और 2024 में भी यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। अब सेमीफाइनल में उनका सामना गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज और आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा।

टियाफोए ने 2022 के सेमीफाइनल में अल्काराज के खिलाफ हार झेली थी, जबकि 2024 में उन्हें हमवतन टेलर फ्रिट्ज ने हराया था। इस बार टियाफोए की जीत ने अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी के ग्रैंड स्लैम खिताब के लंबे इंतजार को खत्म करने की उम्मीदों को फिर मजबूत किया है। अमेरिका ने आखिरी बार 2003 में एंडी राडिक के जरिये पुरुष एकल ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था।

माइकलसन मुकाबले में मजबूत स्थिति में थे। वह टूर्नामेंट में एक भी सेट गंवाए बिना क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे और तीसरे सेट में 5-4 की बढ़त के साथ मैच जीतने के लिए सर्विस कर रहे थे। हालांकि, लगातार दो डबल फाल्ट के बाद वह दबाव में आ गए और टियाफोए ने ब्रेक हासिल कर तीसरा सेट अपने नाम कर लिया।

माइकलसन ने कहा, मुझे लगा कि पहले तीन सेट में मैं उस पर हावी था। वह फ्रांसेस की तरह नहीं खेल रहे थे। फिर 5-4 पर मैंने उन्हें वापसी का मौका दे दिया। इसके बाद वह आर्थर ऐश में अपने अंदाज में खेलने लगे। फिर मुकाबला पूरी तरह संघर्ष में बदल गया।

पांचवें सेट में भी माइकलसन ने शुरुआत में टियाफोए की सर्विस तोड़कर 3-0 की बढ़त बना ली थी। टियाफोए ने गुस्से में एक समय अपना रैकेट कोर्ट पर पटक दिया, लेकिन इसके बाद उन्होंने फिर वापसी की। मैच टाईब्रेक में टियाफोए ने लगातार तीन अंक जीतकर 7-4 की बढ़त बनाई और फिर 135 मील प्रति घंटे की रफ्तार से ऐस लगाकर जीत की ओर कदम बढ़ाया।

इस जीत के साथ टियाफोए इस सदी में आंद्रे अगासी के बाद तीन बार यूएस ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं।

जूनियर एशिया कपः अनमोल एक्का के छह गोल से भारत ने चीनी ताइपे को 15-0 से रौंदा, सेमीफाइनल में पहुंचा

मोकी (चीन)

गत चैंपियन भारत ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को ूल-ए के अपने आखिरी मुकाबले में चीनी ताइपे को 15-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कप्तान अनमोल एक्का ने छह गोल दागकर भारत की धमाकेदार जीत में अहम भूमिका निभाई। भारत ने शुरुआती क्वार्टर में गोलरहित रहने के बाद अगले तीन क्वार्टर में पूरी तरह दबदबा बनाया। अनमोल के सभी छह गोल पेनल्टी कार्नर से आए। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने तीन जीत और एक ड्रा से 10 अंक हासिल कर पूल-ए में शीर्ष स्थान हासिल किया।

दक्षिण कोरिया ने जापान को 3-2 से हराकर नौ अंकों के साथ पूल में दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। जापान, इंडोनेशिया और चीनी ताइपे की टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गईं और अब वर्गीकरण मुकाबले खेलेंगी।

चीनी ताइपे ने पहले क्वार्टर में भारतीय हमलों को रोककर सभी को चौंका दिया। भारत ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके बनाए, लेकिन मजबूत ताइपे रक्षापंक्ति को भेद नहीं सका। दो मिनट के क्वार्टर ब्रेक के दौरान मुख्य कोच फ्रेडरिक सोएज ने खिलाड़ियों को अधिक आक्रामकता के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया, जिसका असर अगले ही क्वार्टर में दिखाई दिया।

आर्यन एक्सेस ने 17वें मिनट में भारत का खाता खोला, जबकि एक मिनट बाद प्रभदीप सिंह ने बढ़त दोगुनी कर दी। गुरसेवक सिंह ने 22वें मिनट में तीसरा गोल किया। इसके बाद अनमोल एक्का ने 25वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर अपना पहला गोल किया। अर्जुन संतोष हरगुड़े ने 28वें मिनट में पांचवां गोल किया और अगले ही मिनट अनमोल ने फिर पेनल्टी कार्नर पर गोल कर दिया। भारत ने मध्यांतर तक 6-0 की बढ़त बना ली थी। तीसरे क्वार्टर में भी भारत ने लगातार आक्रमण जारी रखा। अनमोल ने शुरुआती तीन मिनट में मिले दोनों पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर अपनी हैट्रिक पूरी की और फिर एक और गोल कर व्यक्तिगत संख्या चार पहुंचा दी। अजीत यादव ने 35वें मिनट में शानदार मैदानी गोल कर भारत की बढ़त बढ़ाई। इसके बाद अनमोल ने 45वें मिनट में एक और पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर अपना पांचवां गोल किया और भारत को 10-0 की बढ़त दिला दी। अंतिम क्वार्टर में भी भारत ने आक्रामक रवैया बनाए रखा। हरपाल ने 48वें मिनट में मैदानी गोल किया, जबकि अनमोल ने 51वें मिनट में अपना छठा पेनल्टी कार्नर गोल कर व्यक्तिगत छह गोल पूरे किए। हरपाल ने इसके बाद अपना दूसरा गोल किया। आर्यन एक्सेस ने भी दो गोल दागे और भारत ने 15-0 की शानदार जीत दर्ज की। अनमोल के छह गोल भारत के लिए मैच का सबसे बड़ा आकर्षण रहे, लेकिन यह जीत पूरी टीम के शानदार प्रदर्शन का नतीजा रही।